Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 21-03-2006

Participants : Mohale Shri Punnulal

>

Title : Need to declare the birth anniversary of Sant Guru Ghasidasji on 18 December as a Public holiday.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर) : अध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ राज्य के संत बाबा गुरू घासीदास जी का जन्म 18 दिसम्बर, 1756 में ग्राम गिरौदपुरी, तह0 बलौदा, जिला रायपुर में हुआ। उनकी माताजी का नाम श्रीमती अमरौतिन तथा पिता का नाम बाबा मंहगुदास था। संतबाबा जी की पत्नी माता सपुरा की मृत्यु हो जाने के कारण उनके निधन से दुखी होकर संतबाबा संतगुरू घासी गिरौदपुरी के जंगल में जाकर छाता पहाड़ के ऊपर चढ़कर वहां से कूदे, जिसकी ऊंचाई लगभग 200 फुट थी। उसके बाद कुछ नहीं होने पर वहीं पर संतजी गुरूघासी दास ध्यान में बैठ गये थे। 6 माह तक तपस्या किए। उन्हें सतनाम रूपी ज्ञान तथा अमृत का प्याला प्राप्त हुआ। जिसे पाकर बाबा जी गांव की ओर आये जहां माता सपुरी जी को, जिन्हें 6 माह पूर्व मरघट में दफना दिया गया था, उसे निकलवा कर जिन्दा कर दिया। अनेक प्रकार के समाज कल्याण के कार्य किए एवं मृतक बछिया को जिन्दा किया।

उक्त संत के अनुयायी पूरे भारतर्वा में 9.50 लाख की संख्या में फैले हुए हैं। उनकी भावना को देखते हुए 18 दिसम्बर को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अवकाश घोति किया गया है। अतः पूरे देश में 18 दिसम्बर को बाबा गुरुघासीदास जी जयन्ती पर्व के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार सार्वजनिक छुट्टी घोति करे।